मुस्कुराते तारें.... ज़मीन पर

महापौर ने किया देश के पहले "अर्बन95 चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन" के प्रथम चरण का उद्घाटन

- कुछ नन्हे हाथों में रंग लगे थे। वे दीवार पर अपने हाथों का निशान लगा कर खुश थे। कुछ नन्हे हाथों में ब्रश थे। वे दीवारों पर अपनी पसंद के चित्र बना रहे थे। वे खुश थे कि दीवारों पर बने कैनवास पर पेंटिंग बनाते हुए उन्हें कोई रोक नहीं रहा था।
- कुछ नन्ही आँखें सड़कों पर लगे निशानों को समझने की कोशिश कर रही थीं। बड़ी बहन रुचिता अपने छोटे भाई सार्थक को इन तीर के निशानों और ज़ेबरा क्रासिंग का मतलब समझा रही थी।
- कुछ नन्हे कदम गार्डन में बने पाथ-वे पर चल रहे थे। पाथ-वे के साथ लगे फूल और पत्तियां उन्हें लुभा रहे थे। वे फूलों को छू रहे थे। कोई माली उन्हें ऐसा करने से नहीं रोक रहा था।

मौका था शहर में विकसित हो रहे चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन के पहले चरण के उद्घाटन का। यहाँ बच्चे बिना किसी रोक-टोक के अपनी कल्पना के अनुसार रचनात्मक कार्य कर रहे थे और खूब खेल रहे थे।

उदयपुर के अशोक नगर स्थित हनुमान पार्क क्षेत्र में नगर निगम द्वारा बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन, इकली साउथ एशिया और इकोरस इंडिया के साझे में संचालित अर्बन95 प्रोजेक्ट के अंतर्गत विकसित किये जा रहे चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन के पहले चरण का उद्घाटन महापौर गोविन्द सिंह टांक ने किया। इस दौरान बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन की इंडिया रिप्रेजेन्टेटीव रुश्दा मजीद, उपमहापौर पारस सिंघवी, अधिशाषी अभियंता शशिबाला सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर महापौर ने इसे शहर के विकास में एक अभिनव कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन विकसित करने से अभिभावक अपने बच्चों के साथ घर से बाहर निकलेंगे और पार्क में समय बिताएंगे। इस से जहाँ बच्चों का मोबाइल और टीवी पर बीतने वाला समय कम होगा, वहीँ बच्चे अपने हमउम्र बच्चों के साथ बाहरी परिवेश में अधिक वक्त बिता पाएंगे।

बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन की रुश्दा मजीद ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अर्बन95 प्रोग्राम एक वैश्विक पहल है, जिसके अंतर्गत बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए इस शहर को लाईटहाउस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। ५ साल तक के बच्चों के समग्र विकास के लिए शहर के ढांचागत विकास को तैयार करना अर्बन95 का एक प्रमुख उद्देश्य है। इसी के अंतर्गत हनुमान पार्क नेबरहुड को तैयार किया जा रहा है। यह संभवतः देश का अपनी तरह का पहला चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन है। इसके अंतर्गत न केवल पार्क बल्कि आस पास की सड़कों और गलियों में विभिन्न नवाचार किये जायेंगे। इसके अंतर्गत फुटपाथ निर्माण, फुटपाथ पर बच्चों के अनुरूप रंग रोगन, साथ की दीवारों पर बच्चों के लिए विभिन्न पेंटिंग, साइकिल स्टेंड, पार्क में सेंड पिट, झूलें, वाक-वे निर्माण आदि प्रस्तावित है।

इस मौके पर महापौर और उपमहापौर ने बच्चों के हाथों फीता काट कर चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस मौके पर निगम अधिशाषी अभियंता शशिबाला, सहायक अभियंता करनेश माथुर एवं दिनेश पंचोली, कनिष्ठ अभियंता आदित्य आमेटा आदि उपस्थित रहे। अर्बन95 टीम की तरफ से अमित उपाध्याय, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, अखिलेश टांक, युगल टांक, अब्बास किकाली, ओम प्रकाश, राहुल राठी, खुशबू एवं जसवीर आदि की उपस्थिति रही।

पहले चरण में हुए काम: चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन विकास के पहले चरण में सड़क पर ट्रेफिक को नियंत्रित करने के लिए रम्बल स्ट्रीप, जेब्रा क्रासिंग, यातायात दिशा-निर्देशक, सूचना बोर्ड आदि लगाये गए

हैं। हनुमान पार्क के प्रथम गेट पर साइकिल स्टेंड बनाया गया है। पार्क की दीवारों पर बच्चों और अभिभावकों के लिए विभिन्न चित्रकारी की गयी है। सड़क के दोनों किनारों पर बच्चों को लुभाने और नया सीखने को प्रेरित करने के उद्देश्य से रंग बिरंगी पेंटिंग की गयी है। हरियाली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाये गए हैं। पार्क में जल्दी ही छोटे बच्चों के लिए विशेष प्ले एरिया विकसित किया जा रहा है। इस से मिले रुझानों के आधार पर द्वितीय चरण के अंतर्गत पूरे क्षेत्र का विकास किया जाना प्रस्तावित है।

बच्चों ने थामी कूंची: इस अवसर पर आइन्स्टीन किड्स स्कूल के बच्चों ने पार्क में खेलों और झूलों का लुत्फ़ उठाते हुए दीवारों पर अपने हाथों के निशान बनाये। इस अवसर पर उन्होंने रंगों से विभिन्न चित्र भी बनाये। उनके साथ आस पड़ोस में रहने वाले बच्चे भी शरीक हुए।

क्या है चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन: चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन ६०० मीटर की परिधि का एक क्षेत्र हैं, जहाँ छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों को प्रदूषण और ट्रेफिक मुक्त हरित पैदल चलने का मार्ग उपलब्ध के लिए ढांचागत विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, ताकि घर से पार्क, स्कूल, आंगनवाड़ी, अस्पताल आदि स्थानों पर जाते हुए वे किसी प्रकार की चुनौती महसूस न करें। इसके लिए सड़क पर ट्रेफिक धीमा करने के उपाय, विभिन्न दिशा सूचक, बच्चों के अनुरूप फुटपाथ, सीखने के संसाधन उपलब्ध करवाने, छायादार स्थानों का विकास ककरे वहां बेंच लगाने आदि के साथ साथ पार्कों का विकास करना शामिल है। पार्क में छोटे बच्चों के लिए अलग से विशेष डेडिकेटेड प्ले-ज़ोन विकसित किये जाने प्रस्तावित हैं । इस से उन्हें घर के बाहर खुले परिवेश में अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और बच्चों के समग्र विकास में यह सहायक होगा।